दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 02 मार्च 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 153

अंतर्राष्ट्रीय

रूस से युद्ध, फिर व्हाइट हाउस में ट्रंप से बहस और अटकी खनिज डील

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तीखी बहस के बाद व्हाइट हाउस में दोनों की बैठक अचानक खत्म हो गई. बैठक का मुख्य उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिज सौदे को अंतिम रूप देना था, लेकिन दोनों के बीच बहस की वजह से जेलेंस्की को डील पर हस्ताक्षर किए बिना ही जल्दी जाना पड़ा. कैमरे के सामने हुई दोनों की बहस के बाद स्थिति काफी खराब हो गई और ट्रंप ने जेलेंस्की को जाने के लिए कह दिया. इस बहस के बाद अमेरिका और यूक्रेन के रिश्ते खराब हो सकते हैं और साथ ही अमेरिका अब यूक्रेन को भेज रहा मदद रोक सकता है. रूस से युद्ध की मार झेल रहे यूक्रेन के लिए मुसीबत बढ़ने की आशंका है, क्योंकि ट्रंप से जेलेंस्की की बहस उन्हें महंगी पड़ सकती है. डोनाल्ड ट्रंप और वोलोदिमीर जेलेंस्की की मुलाकात औपचारिक रूप से शुरू हुई, जिसमें ट्रंप ने रूस के साथ संघर्ष को समाप्त करने के बारे में आशा व्यक्त की. ट्रंप ने कहा, 'हम दोपहर के भोजन के ठीक बाद ईस्ट रूम में सम्मेलन में समझौते पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं. वास्तव में रोमांचक क्षण तब होगा, जब वे गोलीबारी बंद कर देंगे या हम एक सौदे पर पहुंचेंगे. और मुझे लगता है कि हम इसे प्राप्त करने के काफी करीब हैं.' इसके बाद जेलेंस्की ने सावधानी से जवाब दिया, निमंत्रण के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया और कहा कि यह समझौता 'यूक्रेन के लिए वास्तविक सुरक्षा गारंटी की दिशा में पहला कदम होगा. हालांकि, उन्होंने निरंतर अमेरिकी समर्थन की आवश्यकता पर भी जोर दिया.

14 मिनट पहलेयूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की पहुंचे ब्रिटेन, प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर से मुलाक़ात करेंगे

रविवार को लंदन में यूरोपीय नेताओं का एक सम्मेलन होगा. इसमें राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की भी शामिल होंगे. इसकी मेज़बानी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर करेंगे. शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय में मुलाक़ात की थी. इस दौरान, तीनों नेताओं में तीखी बहस हुई थी. इसको लेकर दुनियाभर के राजनेताओं ने प्रतिक्रिया दी थी. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की पर अमेरिका और अमेरिकी लोगों का अनादर करने का आरोप लगाया था. जबकि, राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा था, "हम सुरक्षा गारंटी के साथ युद्धविराम चाहते हैं."

दिल्ली के यमुना विहार इलाके में बदमाशों ने की फायरिंग, इलाके में डर का माहौल

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के यमुना विहार इलाके के मकान के बाहर फायरिंग का एक मामला सामने आया है. पुलिस ने मकान मालिक की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. मिली जानकारी के अनुसार यमुना विहार में रात करीब 1:05 बजे फायरिंग की घटना हुई. दो अज्ञात लोगों ने घर के बाहर फायरिंग की और स्कूटी पर सवार होकर भाग निकले. मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच टीमें अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकडऩे के लिए काम कर रही हैं.

माणा एवलॉन्च सर्च ऑपरेशन दूसरा दिन : 55 में से 47 मजदूर रेस्क्यू, 8 की तलाश जारी

❐ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया अपडेट

चमोली | आरएनएस

उत्तराखंड के चमोली जिले में बदरीनाथ के पास माणा में शुक्रवार को आए एवलॉन्च के बाद मलबे में दबे बीआरओ मजदूरों के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन दूसरे दिन भी जारी है. माणा एवलॉन्च रेस्क्यू ऑपरेशन में ज्योतिर्मठ बेस कैम्प से हेली रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है. अभी सेना के दो चेतक हेलीकॉप्टर बदरीनाथ रेस्क्यू के काम में लगे हैं. अब तक 47 मजदूरों का रेस्क्यू कर लिया गया है. अब 8 मजदूरों के लिए सर्च और रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है.

सडक़ मार्ग पर लामबगड़ से आगे भारी हिमपात के कारण बंद है. लिहाजा अब हेली रेस्क्यू ऑपरेशन पर पूरा फोकस किया जा रहा है. इधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के सीएम धामी से रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर अपडेट लिया.

माणा एवलॉन्च रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर आज सुबह की अच्छी खबर ये है कि क्षेत्र में अब मौसम सामान्य हो चला है. बर्फबारी थमने के बाद अब बेस कैम्प जोशीमठ से हेली रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हो गया है. डीएम चमोली से लेकर आपदा प्रबंधन के तमाम अधिकारी ज्योतिर्मठ में मौजूद हैं.

इधर करीब 150 बचाव कर्मी भी जोशीमठ और गोविंद घाट गुरुद्वारे से बदरीनाथ माणा के समीप एवलॉन्च रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए रवाना हो गए हैं. सीएम धामी भी रेस्क्यू ऑपरेशन की मॉनिटरिंग के लिए जोशीमठ पहुंचे हैं. फिलहाल बीआरओ/प्रशासन ने एवलॉन्च की चपेट में आए मजदूरों की लिस्ट भी जारी कर दी है.

गौरतलब है कि बदरीनाथ से 3 किलोमीटर आगे माणा के पास एवलॉन्च की चपेट में आने से बीआरओ के लिए काम कर रहे 55 मजदूर मलबे में दब गए थे. इनमें से 47 मजदूरों का सेना के द्वारा रेस्क्यू कर दिया गया है. 41 मजदूरों का सेना अस्पताल माणा में उपचार किया जा रहा है. 6 मजदूरों को ज्योतिर्मठ सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है. एवलॉन्च के मलबे में दबे 8 मजदूरों के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है.

कुल 55 मजदूरों के नाम जारी कर दिए गये हैं. इनमें से 42 मजदूरों के राज्यों की जानकारी मिल गई है. बिहार के 11, उत्तराखंड के 11, उत्तर प्रदेश के 11, हिमाचल के 7, जबकि पंजाब और जम्मू कश्मीर के एक-एक मजदूरों की जानकारी फिलहाल मिली है. वहीं, 13 मजदूरों के राज्यों की अभी पुष्टि नहीं हुई है.

शनिवार सुबह साढ़े 7 बजे से रेस्क्यू कार्य में तेजी लाई गई है. सेना के दो चेतक हेलीकॉप्टरों के द्वारा रेस्क्यू कार्य किया जा रहा है. कल तीन मजदूरों को ज्योतिर्मठ सैन्य अस्पताल में लाया गया था. आज भी 3 लोगों को यहां लाया गया है. इस तरह ज्योतिर्मठ सैन्य अस्पताल में 6 लोग भर्ती हैं. वहीं चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने देर रात से ही ज्योतिर्मठ सैन्य अस्पताल पहुंचकर सभी को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश भी दिए हैं. वहीं आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ज्योतिर्मठ पहुंचे. उन्होंने हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कार्य का निरीक्षण किया. संबंधित सैनिक अधिकारियों से उन्होंने बात भी की.

आपको बताते चलें कि हनुमान चट्टी से बदरीनाथ की दूरी लगभग 20 किलोमीटर है. 20 किलोमीटर के दायरे में 6 से 8 फीट बर्फ सडक़ में पड़ी हुई है. इसके चलते यहां से आवाजाही करना मुश्किल हो गया है. जो लोग शुक्रवार को रेस्क्यू कार्य के लिए जोशीमठ से भेजे गए थे, वह भी देर शाम गोविंद घाट तक ही पहुंच पाए. क्योंकि हाईवे पर ज्यादा बर्फबारी होने से पैदल आवाजाही करने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

आज फिलहाल मौसम साफ है. उम्मीद है कि हेलीकॉप्टर से लगातार रेस्क्यू कर एवलॉन्च के मलबे में फंसे शेष लोगों को भी आज रेस्क्यू कर लिया जाएगा. ज्योतिर्मठ, गौचर और देहरादून के अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा गया है. घायलों को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाने के प्रयास हो रहे हैं. शुक्रवार शाम तक 33 कर्मियों का रेस्क्यू सकुशल किया गया था. अंधेरा होते ही रेस्क्यू कार्य को बीच में ही रोकना पड़ा. आज सुबह 7:30 बजे से ही सेना के द्वारा रेस्क्यू कार्य शुरू किया गया है. सुबह से ही लगातार रेस्क्यू अभियान में सेना, आईटीबीपी, पुलिस, प्रशासन तमाम टीमें लगी हुई हैं. आज सुबह 14 और लोगों को रेस्क्यू किया गया है. इस तरह अब तक कुल 47 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है. अब 8 लोगों का रेस्क्यू और किया जाना है. 6 लोगों को ज्योतिर्मठ अस्पताल में भर्ती कराया गया है. 41 लोग माणा में भर्ती हैं.

फतेहाबाद में खड़े ट्रक से टकराई बस, 4 की मौत और 19 घायल

लखनऊ | आरएनएस

उत्तर प्रदेश के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह वाराणसी से जयपुर जा रही एक बस सडक़ किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। इसमें बस सवार 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और शवों को मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस ने मृतकों की जेब में मिले दस्तावेजों के आधार पर उनकी पहचान कर परिजनों को सूचना कर दी।

पुलिस ने बताया कि वाराणसी से एक निजी बस सवारियों को लेकर जयपुर के लिए रवाना हुई थी। सुबह साढ़े 5 बजे फतेहाबाद थाना क्षेत्र में चालक के नियंत्रण खो देने से बस ने सडक़ किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में राजस्थान निवासी गोविंद (68), रमेश कुमार (45) और आगरा निवासी दीपक वर्मा (40) है। एक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। इसी तरह 19 अन्य घायल यात्रियों का उपचार जारी है।

फतेहाबाद के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरदीप लाल ने बताया कि हादसे के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो सका है, लेकिन पृथम दृष्टया बस चालक को नींद की झपकी लगना कारण माना जा रहा है।

उन्होंने बताया कि हादसे के बाद करीब एक घंटे तक यातयात बाधित रहा। क्रेन की सहायता से बस और ट्रक को सडक़ से हटाकर यातायात सुचारू कराया। आसपास के लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

केरल में छात्रों की झड़प में 10वीं क्लास के छात्र की मौत

कोझिकोड | आरएनएस

केरल में कोझिकोड के थामारसेरी में छात्रों के बीच एक हिंसक संघर्ष में हायर सेकेंडरी स्कूल के 10वीं कक्षा के छात्र की दुखद मौत हो गई. 28 फरवरी को मृतक की कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान सिर में गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई. यह घटना 28 फरवरी को थामारसेरी में एक ट्यूशन सेंटर के पास हुई, जिसमें स्कूल के छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प हुई. प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, संघर्ष एक विदाई पार्टी को लेकर हुई थी.

विदाई पार्टी के दौरान हुई पिछली घटना के बाद से तनाव बढ़ गया था, जिसके परिणामस्वरूप 28 फरवरी को एक और हिंसक टकराव हुआ, जिसमें मृतक गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज किया. छात्र की मौत से परिजन और स्थानीय समुदाय सदमे और शोक में है.

यह घटना तिरुवनंतपुरम के करयावट्टम सरकारी कॉलेज में रैगिंग की हालिया घटना के बाद हुई है. कॉलेज की एंटी-रैगिंग कमेटी ने जांच की और पुष्टि की कि रैगिंग हुई थी. रैगिंग के शिकार छात्र ने कॉलेज प्रिंसिपल और कझाकुट्टम पुलिस में घटना के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी. इसके बाद एंटी-रैगिंग कमेटी ने जांच की. शिकायत स्नातक तृतीय वर्ष के सात छात्रों के खिलाफ की गई थी. सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों की जांच के बाद पाया गया कि रैगिंग हुई थी.

11 फरवरी को सीनियर और जूनियर छात्रों के बीच झगड़ा हुआ था. पीड़ित के दोस्त को सीनियर छात्रों ने पीटा, जिससे वह घायल हो गया. शिकायत में सात सीनियर छात्रों के खिलाफ रैगिंग करने का आरोप लगाया गया है. प्रिंसिपल ने समिति के निष्कर्षों के आधार पर कल कझाकुट्टम पुलिस को एक रिपोर्ट सौंपी. प्रिंसिपल की रिपोर्ट के आधार पर, कझाकुट्टम पुलिस ने पुष्टि की कि सात छात्रों के खिलाफ रैगिंग का मामला दर्ज किया गया है.

अमित शाह ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए गृह मंत्रालय में बैठक की

नई दिल्ली | आरएनएस

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए आज शनिवार को गृह मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की. बैठक में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला और अन्य लोग शामिल हुए.

यह बैठक 9 फरवरी को मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद हुई. हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता के कारण मणिपुर में करीब दो साल से हालात खराब है. राज्य के राज्यपाल से 13 फरवरी को रिपोर्ट मिलने के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया.

भारत के राजपत्र में प्रकाशित और केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी उद्घोषणा में कहा गया कि मणिपुर विधानसभा की शक्तियां संसद को हस्तांतरित कर दी जाएंगी, जिससे राज्य सरकार का अधिकार प्रभावी रूप से निलंबित हो जाएगा. पिछले साल नवंबर में अमित शाह ने मणिपुर में वर्तमान सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक विस्तृत उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक बुलाई थी.

चर्चा में राज्य में हाल ही में हुए घटनाक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया गया. इसमें शीर्ष अधिकारियों ने मौजूदा चुनौतियों और प्रतिक्रिया उपायों का व्यापक मूल्यांकन प्रस्तुत किया. बैठक में क्षेत्र को स्थिर करने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया.

अमित शाह ने बैठक के दौरान मणिपुर में सुरक्षा तैनाती की समीक्षा की. साथ ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य पुलिस अधिकारियों को क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया. पिछले साल 3 मई को अखिल आदिवासी छात्र संघ (एटीएसयू) द्वारा मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने की मांग के विरोध में आयोजित एक रैली के दौरान झड़प के बाद पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा भडक़ उठी थी.

भारत-बांग्लादेश सीमा पर झड़प में बीएसएफ जवान और घुसपैठिये घायल

अगरतला | आरएनएस

सिपाहीजाला जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर कुछ घुसपैठिये भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश की. इस दौरान मुस्तैद सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उन्हें रोका. तभी घुसपैठियों ने जवानों पर हमला कर दिया. इस दौराह हुई झड़प में दोनों पक्षों के लोग घायल हो गए.

बीएसएफ की ओर जारी जानकारी के अनुसार 20-25 बांग्लादेशी बदमाशों के एक समूह ने शुक्रवार शाम लगभग 7:30 बजे बीओपी पुटिया क्षेत्र में सीमा के पास भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने की. तस्करी की गतिविधियों में लगे घुसपैठियों को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की एक गश्ती टीम ने रोका. चेतावनी दिए जाने पर घुसपैठियों ने बीएसएफ के जवानों पर हमला कर दिया. इसके परिणामस्वरूप एक बीएसएफ जवान गंभीर रूप से घायल हो गए.

स्थिति तब और बिगड़ गई जब बदमाश घुसपैठियों ने बीएसएफ के जवानों से हथियार छीनने का प्रयास किया. विज्ञप्ति के अनुसार खुद को बचाने और स्थिति को और बिगडऩे से रोकने के लिए एक बीएसएफ के जवान ने आत्मरक्षा में एक पंप एक्शन गन फायर किया, जिससे एक बांग्लादेशी घुसपैठिया घायल हो गया.

आगे कहा गया कि इस दौरान हुई झड़प में एक बीएसएफ का जवान भी घायल हो गया. घायल बांग्लादेशी घुसपैठिए और बीएसएफ जवान दोनों को तुरंत उपचार के लिए ले नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया. वर्तमान में उनका संबंधित अस्पतालों में इलाज चल रहा है.

पहाड़ों पर बर्फबारी-बारिश बनी आफत, मैदानों में बारिश-ओलावृष्टि बनी परेशानी

नईदिल्ली | आरएनएस

उत्तर भारत में विदाई से पहले सर्दी एक बार फिर अपना रंग दिखा रही है। पहाड़ों पर हो रही भारी बर्फबारी और मैदानी राज्यों की बारिश के चलते मौसम फिर से ठंड़ा हो गया है।

सर्द हवाओं ने लोगों को फिर से गर्म कपड़े पहनने के लिए मजबूर कर दिया है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शनिवार (1 मार्च) को नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसके कारण बादल छाए रहने के साथ बारिश होने की संभावना है।

अफगानिस्तान से पश्चिमी हवाओं के चलते शुक्रवार (28 फरवरी) हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बर्फबारी, बादल फटने और भारी बारिश हुई है।

इससे चमोली जिले में सीमा सडक़ संगठन के 55 मजदूर फंस गए, जिनमें से कई को सुरक्षित निकाल लिया गया।

राज्य में करीब 200 सडक़ें बंद हो गईं साथ ही चंबा और मनाली में सभी शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया गया है। आईएमडी ने शनिवार को भी हिमपात की चेतावनी जारी की है।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तराखंड़ के पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी और बारिश के कारण यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया है।

सडक़ों पर कई बर्फ जमा होने से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शनिवार को भी मौसम विभाग ने पूरे दिन भारी बर्फबारी की चेतावनी जारी की है।

जम्मू में 3 दिनों से लगातार बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात हुआ, जिससे कई सडक़ों को बंद करना पड़ा। यहां भी आज बर्फबारी का अलर्ट है।

राजस्थान के कुछ सुबह से ही कई जगह बादल छाए रहने के साथ ठंड़ी हवाओं के कारण सर्दी ने जोर पकड़ लिया है। कुछ स्थानों पर सुबह कोहरा भी नजर आया है।

आईएमडी ने बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, भरतपुर संभाग में मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना जताई है।

इससे पहले शुक्रवार को प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के कारण बीकानेर और चूरू में तेज बारिश और ओलावृष्टि देखने को मिली है। इससे खड़ी फसलों को नुकसान हुआ है।

आईएमडी ने उत्तर प्रदेश में भी आज कई जिलों में बादल छाए रहने और तेज हवाओं के साथ बारिश होने के आसार हैं। इसके अलावा कुछ जगहों पर ओलावृष्टि हो सकती है।

पंजाब और हरियाणा के कई हिस्सों में बीते 24 घंटों के दौरान बारिश हुई, जिससे दोनों राज्यों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

पश्चिमी विक्षोभ से बिहार के मौसम में बदलाव होगा, जबकि झारखंड़ में 2 दिनों में तापमान में 2-3 डिग्री का इजाफा हो सकता है।

दिल्ली में शुक्रवार से हो रही बूंदाबांदी के कारण मौसम का मिजाज बदल गया है। इस कारण ठंड़ी हवाएं चलने से लोगों को बढ़ती गर्मी से राहत मिली है।

मौसम विभाग ने आज बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम 15 डिग्री तक रह सकता है।

इसके बाद आने वाले 5-6 दिन मौसम साफ रहेगा और बारिश की संभावना नहीं है। इसके बाद तापमान में इजाफा होगा।

मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के लिए मौसम वैज्ञानिकों ने ला-नीना को जिम्मेदार ठहराया है।

यह प्रशांत महासागर के सतही जल के सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाने के चलते बनता है और मौसम को प्रभावित करता है।

ला-नीना के चलते ही इस बार दिसंबर-जनवरी में अनुमान के मुताबिक ठंड ज्यादा नहीं पड़ी।

फरवरी के पहले सप्ताह से ही तापमान बढऩा शुरू हो गया। इससे इस बार गर्मी के मौसम में सामान्य से अधिक तापमान रह सकता है।